आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–02 *फरवरी* 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने कल संसद में पेश किया एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजटः बजट में समावेशी विकास पर दिया गया जोर।
- 12 लाख रुपये तक की आय पर अब नहीं देना होगा कोई टैक्सः वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज कटौती की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर की गई एक लाख।
- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कल सपरिवार संगम में लगाई आस्था की डुबकी : कहा महाकुम्भ में प्रदेश सरकार की व्यवस्था से हुआ अविभूत।
- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुम्भ क्षेत्र का किया हवाई सर्वेक्षण : बंसत पंचमी पर अमृत स्नान को लेकर अधिकारियों को दिय जीरो एरर व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश।

****

केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने कल संसद में एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला केंद्रीय बजट वर्ष 2025–26 प्रस्तुत किया। वित्त मंत्री ने कहा कि बजट का लक्ष्य विकास में तेजी लाना, समावेशी विकास सुनिश्चित करना, निजी क्षेत्र में निवेश में वृद्धि और देश के मध्यम वर्ग की खर्च करने की क्षमता को बढ़ाना है।

वित्तमंत्री ने कहा कि मध्यम वर्ग भारत के विकास के लिए शक्ति प्रदान करता है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने राष्ट्र निर्माण में मध्यम वर्ग की सराहनीय ऊर्जा और क्षमता पर अधिक विश्वास जताया है। वित्त मंत्री ने कहा कि नई कर व्यवस्था के अंतर्गत 12 लाख तक की आय पर कोई कर देय नहीं होगा। वेतनभोगी करदाताओं के लिए यह सीमा 75 हजार की मानक कटौती के कारण 12 लाख 75 हजार होगी। सभी करदाताओं को फायदा पहुंचाने के लिए सभी श्रेणियों में कर स्लैब और दरों में परिवर्तन करने का प्रस्ताव हैं। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मोहम्मद आजम खां ने बजट में आयकर में मिली छूट को मध्यम वर्ग के लिये सौगात बताया है।

जो मध्यम वर्ग है उसके हितों को देखते हुए अच्छा बजट है खास तौर पर जो इन्कम टैक्स पर बढ़ी राहत दही गई है और स्लैब चेंज किया गया है। तो उससे जो मध्यम वर्ग है उसको काफी राहत मिलने वाली है। दूसरी चीज जो मीडियम और स्मॉल स्केल इंन्ड्रस्टिज हैं, एग्रीकल्चर हैं और सेक्टर में फिसरीज सेक्टर है, डेयरी है इसके लिए जो नये प्रपोजल इस बजट में दिया गया है, वो भी एक सराहनीय कदम है।

वित्त मंत्री ने स्रोत पर कर कटौती– टीडीएस की दरों और सीमाओं की संख्या कम करके उसे युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव किया है। इसके अलावा, बेहतर स्पष्टता और एकरूपता के लिए टीडीएस के लिए राशि की सीमा बढ़ाई जा रही है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज पर कटौती की सीमा पचास हजार
से बढ़ाकर एक लाख की गई है। इसी प्रकार किराए पर टीडीएस के लिए वार्षिक सीमा दो लाख चालीस हजार से बढ़ाकर छह लाख कर दी गई है। वित्त मंत्री ने घोषणा की है कि सरकार नया आयकर विधेयक प्रस्तुत करेगी।

****

वित्तमंत्री निर्मला सीतारामन ने बजट में 100 जिलों के अंदर प्रधानमंत्री धनधान्य कृषि योजना और विकासशील कृषि जिला कार्यक्रम लागू करने की भी घोषणा की है। यह पहल एक करोड़ 70 लाख किसानों को समृद्ध बनाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि संशोधित ब्याज अनुदान योजना के तहत किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से लिए गए ऋण के लिए ऋण सीमा तीन लाख रुपये से बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी गई है।

सरकार खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय खाद्य तिलहन मिशन कार्यान्वित कर रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार, अरहर, उड़द और मसूर के उत्पादन पर विशेष ध्यान देने के साथ छह वर्षीय "दलहन आत्मनिर्भरता मिशन" शुरू करेगी।

वित्तमंत्री ने कहा कि सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए ऋण सीमा 5 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 10 करोड़ की जाएगी। इससे अगले 5 वर्षों में डेढ़ लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऋण उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि स्टार्ट–अप के लिए, ऋण सीमा 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये की गई है। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के अध्यक्ष राकेश बंसल ने बजट में एमएसएमई सेक्टर के लिये किये गये ऐलान की सराहना की है।

काफी हद तक ये जो बजट है हम उद्यमियों के अनुकूल रहा है जैसे कि एमएसएमई सेक्टर जो है एक करोड़ से ज्यादा इसमे उद्यम है। कृषि वाले को अगर देखा जाए तो एमएसएमई सेक्टर रोजगार के सबसे ज्यादा रोजगार प्रदान करता है। क्रेडिट कार्ड गारंटी लोगों की सीमा को पांच करोड़ से बढ़ाकर दस करोड किया। जिससे भारत एक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभरेगा और ज्यादा से

ज्यादा रोजगार मिलेगा। मोनेट्रम लोन की सीमा को भी जो है बीस करोड़ तक बढ़ा कर किया है। इस फैसले को भी हम लोग हार्दिग स्वागत करते है और टैक्स में बारह लाख तक की आय को भी जो है टैक्स से भी फ्री रखा है। यह भी बहुत बढ़िया निर्णय रहा है और फिर बहुत सारी चीजें रही हैं। जो सुक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यमों के अनुकूल रहे हैं।

****

केंद्र सरकार ने बजट में औषधि/दवाओं के आयात पर भी राहत देने का प्रस्ताव किया है। विशेष रूप से कैंसर, असाधारण रोगों और अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित रोगियों को राहत देने के लिए 36 जीवन रक्षक औषधियों और दवाओं को बुनियादी सीमा–शुल्क से पूरी तरह छूट प्राप्त दवाओं की सूची में शामिल करने की तैयारी की गई है। वित्तमंत्री ने बजट पेश करते हुए कहा कि 23 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों–आईआईटी में विद्यार्थियों की कुल संख्या में 100 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह पिछले 10 वर्षों में 65 हजार से बढ़कर एक लाख 35 हजार हो गई है। उन्होंने कहा कि आईआईटी–पटना में छात्रावास और अन्य अवसंरचना संबंधी क्षमता को भी बढ़ाया जाएगा। बजट में युवाओं के लिये भी कई प्रस्ताव किये गये हैं।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने आज जो बजट प्रस्तुत किया है, वह विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में मील का पत्थर साबित होगा।

प्रधानमंत्री जी ज्ञान का बजट बताकर 4 अक्षरों में इसे परिभाषित किया है। जी फॉर गरीब, वाई फॉर युवा, ए फॉर अन्नदाता एन फॉर नारी शक्ति। यानी इस 4 महत्वपूर्ण आयामों को ध्यान में रखकर एक विकसित भारत के लिये आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में पिछले साढ़े 10 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में तेजी के साथ आगे बढ़ी है। इस बजट से अर्थव्यवस्था को एक नई उड़ान मिलेगी।

वहीं विपक्षी दलों ने बजट की आलोचना की है। सपा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार के पास विकास का विजन नहीं है, बजट ने देश की बड़ी आबादी को निराश किया है। बसपा प्रमुख मायावती ने कहा है कि बजट राजनैतिक स्वार्थ से प्रेरित है और देश तथा आम लोगों के हित में नहीं है।

****

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कल प्रयागराज स्थित पावन संगम में सपरिवार डुबकी लगाई। इस अवसर पर श्री धनखड़ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ बड़े हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना की। पत्रकारों से बात करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रशासन द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाएं अत्यंत सराहनीय हैं।

ऐतिहासिक आज तक पृथ्वी पर इतने करोड़ों लोगों का संगम नहीं हुआ है और जो उत्तम व्यवस्था है, जो प्रशासन ने कार्य किया है मैं विभूत हूं। कभी कल्पना नहीं की थी कि भारतवर्ष में इस प्रकार का आयोजन होगा। हर स्तर के ऊपर प्रशासन ने और माननीय मुख्यमंत्री जी ने जो चमत्कारी करिश्मा दिखाया है एक हादसा हुआ है पर अंदाजा लगाइये कितनी त्वरित गति से, किस गति से हर मामले को हैण्डिल किया गया है और आज तक दुनिया अचम्भित हो जायेगी ये जानकर, अमेरिका के जितने पॉपुलेशन है उतने लोगों का तो आगमन हो चुका है यहां पर।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल प्रयागराज महाकुम्भ क्षेत्र का हवाई सर्वे किया। इस दौरान श्री योगी ने प्रयागराज की ओर जाने वाली सभी सड़कों का मुआयना किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद श्री योगी संगम नोज पहुंचे और मौनी अमावस्या पर हुई दुघर्टना की विधिवत जानकारी प्राप्त की और श्रद्धालुओं से वार्ता की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बंसत पंचमी पर अमृत स्नान को लेकर की जा रही तैयारियों पर अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में मुख्यमंत्री ने कल अमृत स्नान पर्व 'बसंत पंचमी' के अवसर पर व्यवस्थाओं को 'जीरो एरर' रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बसंत पंचमी के अवसर पर पूज्य अखाड़ों की पारंपरिक शोभायात्रा धूमधाम से निकलेगी, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से कर ली जाएं। इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने कल महाकुम्भ में आए विश्व के 73 देशों के सौ से अधिक राजनयिकों के साथ संवाद किया और विदेशी राजनयिकों को महाकुम्भ और प्रयागराज के महात्म्य से परिचित कराया।

****